

青年之友

Qingnian
zhiyou



成长从阅读开始 成才与读书相伴

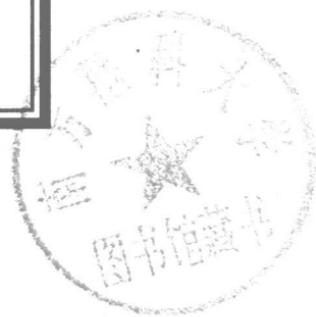
娱乐 小百科

娱乐小百科

南方医科大学图书馆



AA190921



目 录

| | |
|------|----|
| 老父东江 | 1 |
| 谢气之口 | 1 |
| 三九二九 | 2 |
| 赤心战栗 | 2 |
| 趁着热锅 | 2 |
| 错侯喷弟 | 3 |
| 黍麦俱有 | 3 |
| 去头出颈 | 4 |
| 猫不识主 | 4 |
| 衡有小鱼 | 5 |
| 枕上之嘱 | 5 |
| 不敢不乐 | 6 |
| 是头牛犊 | 6 |
| 宣水农水 | 6 |
| 徘徊太多 | 7 |
| 男女相赠 | 7 |
| 戒掉色欲 | 8 |
| 蝗虫损芦 | 8 |
| 兼畏夫人 | 9 |
| 盛世明主 | 9 |
| 专之亦可 | 9 |
| 虎落平阳 | 10 |
| 上下半鲁 | 10 |
| 十倍正佳 | 11 |

| | |
|------|----|
| 望汤不至 | 11 |
| 裁宽拽旗 | 12 |
| 马牛不及 | 12 |
| 同是一害 | 12 |
| 早吠狗儿 | 13 |
| 二八穿衣 | 13 |
| 可赠和尚 | 14 |
| 封豕卢令 | 14 |
| 儿孙共乐 | 14 |
| 吾与点也 | 15 |
| 那汉之口 | 15 |
| 同名连讳 | 16 |
| 再婚之女 | 16 |
| 沈龟产圭 | 16 |
| 黑风酒鬼 | 17 |
| 耳又相合 | 17 |
| 甲乙丙丁 | 18 |
| 公然一婆 | 18 |
| 劳而无功 | 18 |
| 无点之心 | 19 |
| 盐豆盗草 | 19 |
| 呆人易金 | 20 |
| 下马行也 | 20 |
| 尚书灾难 | 21 |
| 驸驴侍狗 | 21 |
| 袁德师楼 | 21 |
| 参悟禅机 | 22 |
| 不要轻生 | 22 |

| | |
|-------|----|
| 霜鹰冻蝇 | 23 |
| 汗淋学士 | 23 |
| 可称庐子 | 24 |
| 如此故旧 | 24 |
| 孚乃爪子 | 24 |
| 杀敬无光 | 25 |
| 解梦 | 25 |
| 使不得 | 26 |
| 喊价 | 26 |
| 吹灯 | 27 |
| 撞钟 | 27 |
| 贫穷的志气 | 28 |
| 滑稽文章 | 29 |
| 懒汉 | 29 |
| 替我出气 | 29 |
| 剃头 | 30 |
| 吉利话 | 30 |
| 差点甜死 | 30 |
| 酒醉烧脚 | 31 |
| 近视 | 31 |
| 拔的好 | 32 |
| 馋嘴 | 33 |
| 仍是鸡蛋 | 33 |
| 理由 | 34 |
| 争第一位 | 34 |
| 兄弟种地 | 35 |
| 白吃者 | 35 |
| 这姓好 | 37 |

| | |
|--------|----|
| 打是不打 | 37 |
| 吹牛 | 37 |
| 误听 | 38 |
| 健忘而放罪犯 | 38 |
| 取笑 | 39 |
| 偷酒有术 | 40 |
| 半价 | 41 |
| 三个最懒 | 42 |
| 猴子做人 | 42 |
| 烫人的大肠 | 42 |
| 啥叫丢人 | 43 |
| 过酒瘾 | 44 |
| 画像 | 44 |
| 医不对症 | 44 |
| 关门干什么 | 45 |
| 找桥杠 | 45 |
| 愿做第一 | 45 |
| 不着边际 | 46 |
| 忌讳 | 46 |
| 死也做酒鬼 | 46 |
| 狗肚子 | 47 |
| 惯说损话 | 47 |
| 一半的功劳 | 48 |
| 八哥打鼓 | 48 |
| 讨饭 | 49 |
| 为难人 | 49 |
| 瞎子过桥 | 50 |
| 并不快活 | 50 |

目 录

· 5 ·

| | |
|--------|----|
| 风趣 | 51 |
| 封号 | 51 |
| 光头有眼 | 52 |
| 敢怒不敢言 | 52 |
| 懒夫妻拍蚊 | 53 |
| 对联训子 | 53 |
| 麻子与瞎子 | 54 |
| 互讽 | 54 |
| 方言趣话 | 54 |
| 祖孙 | 55 |
| 正好够数 | 56 |
| 一齐动手 | 56 |
| 说谎 | 57 |
| 近视眼与聋子 | 57 |
| 补不足也 | 57 |
| 秀才上当 | 58 |
| 名有其等 | 58 |
| 同是底字 | 59 |
| 馄饨不熟 | 59 |
| 不清不净 | 60 |
| 中一目人 | 60 |
| 酷似神农 | 61 |
| 出何典记 | 61 |
| 送还先生 | 61 |
| 西子来矣 | 62 |
| 岂非同院 | 62 |
| 伍陆漆姓 | 63 |
| 六斤出头 | 63 |

| | |
|--------|----|
| 看天穿地 | 64 |
| 呼如周名 | 64 |
| 糟肉更久 | 65 |
| 不能袖手旁观 | 65 |
| 以身许国 | 65 |
| 做反事 | 66 |
| 口吃 | 66 |
| 背影 | 66 |
| 湛郎及第 | 67 |
| 不可太贪心 | 67 |
| 偷牛贼 | 68 |
| 祭祀官 | 68 |
| 是你弟媳妇 | 68 |
| 失节事大 | 69 |
| 愁二百年 | 69 |
| 留它坐一坐 | 69 |
| 吃水 | 70 |
| 胡燕窝 | 70 |
| 新妇过门 | 70 |
| 死者心里明白 | 71 |
| 昧了五下 | 71 |
| 刘仪同 | 72 |
| 误说 | 72 |
| 张王李赵 | 73 |
| 匍匐图 | 73 |
| 度撰 | 73 |
| 九只鸟 | 74 |
| 咸死他 | 74 |

| | |
|-----------------|----|
| 难道我是这样进来的 | 74 |
| 性急 | 75 |
| 不敢出头 | 75 |
| 念千遍观音 | 75 |
| 似曾相识 | 76 |
| 咬耳朵 | 76 |
| 相婆 | 76 |
| 馄饨 | 77 |
| 已经买下了 | 77 |
| 子路汲水 | 77 |
| 糊涂无礼 | 78 |
| 朱笔 | 78 |
| 曹公右军 | 79 |
| 钉鞋匠 | 79 |
| 宵禁 | 79 |
| 开务 | 80 |
| 无所不为 | 80 |
| 与你何干 | 81 |
| 大眼睛与小咽喉 | 81 |
| 欠债者 | 82 |
| 阔面孔 | 82 |
| 三灾石 | 82 |
| 蟹 | 83 |
| 蠢牛不出头 | 83 |
| 怎么发落 | 83 |
| 请公子让道 | 84 |
| 跳舞报恩 | 84 |
| 不愿同道 | 85 |

| | |
|---------|----|
| 裂鼻牛 | 85 |
| 破坏了脸 | 86 |
| 不要争 | 86 |
| 敲鼓 | 86 |
| 夜空 | 87 |
| 再不要扔死人来 | 87 |
| 乡巴佬 | 88 |
| 六眼龟 | 88 |
| 只管光临 | 89 |
| 甘草癖 | 89 |
| 鸟巡抚 | 90 |
| 穿红袍 | 90 |
| 《唐书》 | 90 |
| 雨与晴 | 91 |
| 还是看我 | 91 |
| 怕和尚 | 91 |
| 同病 | 92 |
| 赝本 | 92 |
| 冬冬汤 | 92 |
| 者者居 | 93 |
| 人物志 | 93 |
| 铁香炉 | 93 |
| 上官弼 | 94 |
| 避孔子塔 | 94 |
| 苜蓿 | 95 |
| 题像 | 95 |
| 庶子 | 95 |
| 躲生日 | 96 |

| | |
|--------|-----|
| 牛捧砚 | 96 |
| 方相侄儿 | 97 |
| 破帽子 | 98 |
| 同尘先生 | 98 |
| 杀马啖美人 | 99 |
| 酒食地狱 | 99 |
| 强盗烤火 | 100 |
| 大八字 | 100 |
| 猫德 | 100 |
| 先动手出钱 | 101 |
| 雨怕抽税 | 101 |
| 先舍了酒吧 | 101 |
| 汪都统的弟弟 | 102 |
| 急流勇退 | 102 |
| 绿珠红玉 | 103 |
| 不白之冤 | 103 |
| 鬼 | 103 |
| 三百缸咸菜 | 104 |
| 嘲鬼 | 104 |
| 邢矮 | 105 |
| 借灯 | 105 |
| 比盐商差一截 | 106 |
| 认祖宗 | 106 |
| 受难于陈蔡 | 106 |
| 香钱 | 107 |
| 佛向我谄媚 | 107 |
| 混沌谱 | 107 |
| 名落孙山 | 108 |

| | |
|---------|-----|
| 为何不先告诉我 | 108 |
| 落榜的滋味 | 109 |
| 不识字更快活 | 109 |
| 三郎庙 | 109 |
| 灭火性 | 110 |
| 不痛了 | 110 |
| 一百岁 | 111 |
| 道士买年龄 | 111 |
| 未犯前过 | 112 |
| 虎猫 | 112 |
| 念一辈子别字 | 113 |
| 百年不忘 | 113 |
| 不识一字 | 113 |
| 五恨 | 114 |
| 钥匙已给她了 | 114 |
| 雌甲辰 | 115 |
| 我将如何 | 115 |
| 破戒 | 116 |
| 不怕麻烦 | 116 |
| 酒令 | 116 |
| 只吃饭 | 117 |
| 没良心 | 117 |
| 大炸八块 | 117 |
| 落帽痕 | 118 |
| 挖井得人 | 118 |
| 做儿子的子民 | 118 |
| 肚中还有一人 | 119 |
| 不求闻达科 | 119 |

目 录

• 11 •

| | |
|---------|-----|
| 闹肚子记事簿 | 119 |
| 失马 | 120 |
| 多锯点 | 120 |
| 开天窗 | 121 |
| 耍光棍 | 121 |
| 猴性 | 121 |
| 鬼手 | 122 |
| 回何敢死 | 122 |
| 道人师傅 | 123 |
| 妻儿官职 | 123 |
| 堆墨书 | 123 |
| 天性 | 124 |
| 买顶戴 | 124 |
| 变成酒鬼 | 125 |
| 与和尚一样 | 125 |
| 吃酒猛 | 126 |
| 旧袍子 | 126 |
| 鲁班门前掉大斧 | 127 |
| 饿死鬼 | 127 |
| 画像 | 127 |
| 祭文 | 128 |
| 和尚 | 128 |
| 出门不认货 | 129 |
| 不劳行礼 | 129 |
| 客商生子 | 130 |
| 醋官出对 | 130 |
| 怕海潮 | 130 |
| 探求“幻术” | 131 |

| | |
|----------|-----|
| 菩萨闭眼 | 132 |
| 御史捕鱼 | 132 |
| 黑齿白牙 | 132 |
| 骗酒伎俩 | 133 |
| 神的痛楚 | 133 |
| 海狗 | 134 |
| 曹操英姿 | 134 |
| 看戏有感 | 134 |
| 临死奇愿 | 135 |
| 和尚怕妻 | 135 |
| 诗送小偷 | 135 |
| 视而不见 | 136 |
| 肚中容人 | 137 |
| 永龄偷帽 | 137 |
| 庄子怜子 | 138 |
| 玉郎压谢 | 138 |
| 不能再低 | 138 |
| 互相戏谑 | 139 |
| 只有一瓶 | 139 |
| 青出于蓝而胜于蓝 | 139 |
| 这也不错 | 140 |
| 白鹤的腿 | 141 |
| 元帅怕降 | 141 |
| 改杜牧诗 | 142 |
| 王七学道 | 142 |
| 误写名字 | 143 |
| 金陵骗子 | 144 |
| 和尚打辫 | 145 |

| | |
|--------|-----|
| 罪不在臀 | 145 |
| 看妾洗脚 | 145 |
| 英雄打猫 | 146 |
| 乌龟与蟹 | 146 |
| 谦让落水 | 147 |
| 怕糊涂人 | 147 |
| 一菜足够 | 147 |
| 蝇欲变人 | 148 |
| 吃东坡肉 | 148 |
| 棺材利息 | 149 |
| 活佛旨意 | 149 |
| 银杏淫行 | 149 |
| 大小猴子 | 150 |
| 须吃一刀 | 150 |
| 之不离口 | 150 |
| 学生送礼 | 151 |
| 秀才戏吝啬鬼 | 151 |
| 三斗谷子 | 152 |
| 开门七事 | 153 |
| 招牌多变 | 153 |
| 好色如僧 | 153 |
| 瓜贩作诗 | 154 |
| 杜康夫人 | 154 |
| 竹笋炒肉 | 155 |
| 坐着挥扇 | 155 |
| 颠倒阴阳 | 155 |
| 偶得妙句 | 155 |
| 善人被讹 | 156 |

| | |
|---------|-----|
| 落选诗歌 | 156 |
| 咏眼镜诗 | 157 |
| 赵钱孙李 | 157 |
| 限定寿命 | 157 |
| 辩说妒妇 | 158 |
| 南北吹牛 | 158 |
| 仁义忠厚 | 159 |
| 还我红脸 | 159 |
| 愿做儿子 | 159 |
| 改崔灏诗 | 160 |
| 讨猪头债 | 160 |
| 熊掌当菜 | 161 |
| 素娥要盐 | 161 |
| 四喜四悲 | 161 |
| 得名来由 | 162 |
| 怕酒淹死 | 162 |
| 外科事完 | 163 |
| 骂放屁者 | 163 |
| 自夸儿子 | 163 |
| 瞎蒙 | 164 |
| 观音耳聋 | 164 |
| 诳嘴的姑爷 | 165 |
| 飞来的“熊掌” | 165 |
| 睡觉看书 | 166 |
| 还有脸见人吗 | 166 |
| 梦中还我 | 166 |
| 万事通看戏 | 167 |
| 鸡屁股 | 167 |

老父东江

唐孙货，字实君，别号东江，江苏太仓人，清康熙进士，曾任礼部主事。他平日对次子唐熙十分宠爱，谁知唐熙不争气，参加江南省试时违犯考纪，被取消资格，因无颜回家，逗留金陵。有人开玩笑说：“前有项王，后有唐郎，一个百战无功，羞见江东父老（指项羽兵败，人劝其回江东重整旗鼓，他说：“吾有何面目见江东父老”，遂自刎）；一个三场不利，恼杀老父东江。”把“江东父老”与“老父东江”回文巧合，妙语天成。

谢气之口

张融与谢宝积一道去见南京太祖萧道成，张融无意中放了个屁，谢宝积唯恐太祖见怪，忙起身谢罪：“臣兄冒犯了陛下。”太祖不以为然，留他们吃饭。当饭菜上来后，张融硬是推挤着，说是不与谢宝积一块儿吃。太祖问：“你怎么不愿和贤弟一块儿吃呢？”张融说：“我不能和谢气之口在同一只盘子里吃饭。”饭说“谢气之口”是指因放屁而致歉意的嘴巴，即谢宝积之口。太祖知张融善谑，开怀大笑。